

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 299

जिसका उत्तर दिनांक 03.02.2021 को दिया जाना है

परमाणु ऊर्जा उत्पादन

299. श्री बी. वाई. राघवेन्द्र :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या यह सच है कि निकट भविष्य में भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए परमाणु ऊर्जा मुख्य ऊर्जा स्रोत बन जाएगी;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) भारत में परमाणु ऊर्जा उत्पादन की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या सरकार के पास देश में परमाणु ऊर्जा उत्पादन की क्षमता में वृद्धि करने का कोई प्रस्ताव है; और
- (ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

- (क) नाभिकीय ऊर्जा 24X7 उपलब्ध बिजली का एक स्वच्छ, पर्यावरण-अनुकूल बेस लोड स्रोत है । इसमें संधारणीय तरीके से देश की दीर्घकालीन ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए बड़ी संभावना है । अतः नाभिकीय ऊर्जा देश के ऊर्जा मिश्रण का एक महत्वपूर्ण घटक है और ऊर्जा के अन्य स्रोतों के साथ-साथ इसका भी इष्टतम उपयोग करने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है ।
- (ग) वर्तमान में 6780 MW की कुल क्षमता वाले 22 रिएक्टर प्रचालनरत हैं और एक रिएक्टर, केएपीपी-3 (700 MW) को दिनांक 10 जनवरी 2021 को ग्रिड से जोड़ा गया है । इसके अतिरिक्त, 6000 MW की कुल क्षमता वाले 8 रिएक्टर (भाविनी द्वारा क्रियांवित किए जा रहे 500 MW पीएफबीआर सहित) निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं ।
- (घ) जी, हां ।
- (ङ) सरकार ने 12 नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों के निर्माण के लिए प्रशासनिक अनुमोदन और वित्तीय मंजूरी प्रदान कर दी है, जिनमें से 10 स्वदेशी 700 MW दाबित भारी पानी रिएक्टरों (पीएचडब्ल्यूआर) को फ्लीट मोड में और साधारण जल रिएक्टरों (एलडब्ल्यूआर) की 2 यूनिटों को रूसी परिसंघ के सहयोग से स्थापित किया जाएगा । निर्माणाधीन और मंजूरी प्राप्त परियोजनाओं के क्रमिक रूप से पूरा होने पर, वर्ष 2031 तक नाभिकीय क्षमता 22480 MW पहुंचने की आशा है । सरकार ने भविष्य में नाभिकीय विद्युत संयंत्र लगाने के लिए पांच नए स्थलों के लिए 'सैद्धांतिक' अनुमोदन भी प्रदान कर दिया है ।